एक नजर में

मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के तहत एक भव्य वॉल पेंटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया

भीकनगांव, निप्र। जननायक टंट्या मामा शासकीय महाविद्यालय, भीकनगाँव में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल द्वारा प्रायोजित पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के इको क्लब के तत्वाधान में मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के तहत एक भव्य वॉल पेंटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता के माध्यम से जनमानस को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य लक्ष्मण डावर के निर्देशन में एवं इकोक्लब के प्रभारी पी.सी. निहाले के नेतृत्व में महाविद्यालय के मुख्य भवन की बाहरी दीवार पर किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकाय के 35 छात्र एवं छात्राओं ने सहभागिता करते हुए 10 वॉल पेंटिंग बनाई। प्रतियोगिता के आयोजन में डॉ दीपा शर्मा, प्रो. विमल पंद्रो एवं निकिता नामदेव ने सहयोग किया। निर्णायक मंडल के सदस्य , प्रो. शक्ति चौहान, प्रो. दीपक बडोले तथा प्रो. अश्विनी चौहान पेंटिंग प्रतियोगिता में श्रुति चोलकर एवं जयमाला के ग्रुप की पेंटिंग को प्रथम, कल्याणी ग्रुप एवं विधि ग्रुप की पेंटिंग को द्वितीय व वैष्णवी, आकाश, गुलनाज के ग्रुप की पेंटिंग को तृतीय घोषित किया। प्रतियोगिता के अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष हरीश शर्मा, सह, प्राध्यापक डॉ एम.एल.मोरे , सुरेश डोडवे, डॉ. जगदीश प्रसाद एवं डॉ.रोहित कुमार गुप्ता ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के साथ प्रतीक चिन्ह द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल महाविद्यालय परिसर का सौंदर्यकरण हुआ, बल्कि स्थानीय लोगों के बीच भी जल, मृदा और वायु संरक्षण के प्रति एक सकारात्मक विमर्श शुरू हुआ है। महाविद्यालय प्रशासन ने इसे सतत विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। महाविद्यालय के इन युवाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि युवा शक्ति ठान ले, तो कला के माध्यम से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं।

जिला स्तरीय दस्तक अभियान कार्यशाला

खरगोन, निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के जिला प्रशिक्षण केंद्र पुराना अस्पताल परिसर खरगोन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दौलतसिंह चौहान की अध्यक्षता में जिला स्तरीय दस्तक अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरिश्चंद्र आर्य, सोनल गुजर तथा समस्त बी.एम.ओ., बीईई, बीपीएम, बीसीएम की उपस्थिति रहे। दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का आयोजन 17 फरवरी से 19 मार्च 2026 के मध्य तक पूरे जिले में संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम में 09 माह से 5 वर्ष तक के समस्त बच्चों को निर्धारित मात्रा में विटामिन-ए का घोल एवं नियमित टीकाकरण सत्रों में समस्त छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण, वृद्धि निगरानी, मातृ एवं टीकाकरण कार्ड में विटामिन-ए अनुपूरण की प्रविष्टि करना आदि कार्य संचालित किए जाएंगे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. धीरेंद्र सोनी द्वारा दस्तक अभियान की विस्तृत रणनीति एवं कार्ययोजना के बारे में उपस्थित सभी शासकीय सेवकों को अवगत कराया गया। साथ ही विटामिन-ए दवाई देने के मानकों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। एमएनडी श्री अरविंद वर्मा द्वारा दस्तक अभियान से संबंधित दिशा-निर्देशों एवं वर्तमान में शिशु स्वास्थ्य में जिले की स्थिति को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत रूप से अवगत कराया। प्रत्येक ग्राम में नियमित टीकाकरण एवं वीएसएचएनडी के दौरान ए.एन.एम. द्वारा 9 माह से 5 वर्ष तक उम्र के बच्चों को आयु अनुरूप विटामिन-ए घोल की खुराक पिलाई जाएगी। छूटे हुए शेष बच्चों को विटामिन-ए घोल की आयु-उपयुक्त खुराक नियमित टीकाकरण के अगले दिन मॉप-अप दिवस में घर-घर जाकर अथवा आंगनवाड़ी केंद्र में एकत्र कर ए.एन.एम. द्वारा पिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चौहान ने बताया कि यह अभियान 0 से 5 वर्ष की उम्र तक के बच्चों में कुपोषण कम करने, जन्म के समय वजन कम हो, दस्त रोग एवं श्वसन तंत्र के संक्रमण से बचाव एवं टीके से वंचित बच्चों को टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के सुचारू एवं सफल संचालन के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए।

महाशिवरात्रि उत्सव : दूल्हा स्वरुप में सजेंगे ज्योतेश्वर महादेव, लगेगा हल्दी-चंदन का उबटन, निकलेगी शिव बारात

खरगोन, निप्र। शिव-शक्ति उपासना का पर्व महाशिवरात्रि 15 फरवरी को मनाया जाएगा। इस महापर्व की तिथि नजदीक आते ही शिवभक्तों का उत्साह बढने लगा है। मंदिरों में जहां रंग-रोगन, साज-सज्जा की जा रही है तो वहीं शिवजी को दूल्हे के रुप में सजाकर शिव बारात निकालने की तैयारियां भी तेज हो गई है। शहर में धार्मिक आयोजनों का केंद्र बिंदू माने जाने वाले ज्योति नगर में भी महाशिवरात्रि उत्सव की तैयारियां जोरों पर है। यहां विराजित ज्योतेश्वर महादेव का महाशिवरात्रि पर मनोहारी श्रृंगार किया जाएगा। यहां शिव विवाह की जीवंत झांकी भी सजाई जाएगी। मंदिर समिति के इंजीनियर नीतिन मालवीय ने बताया कि महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन भक्ति और उत्साह के साथ किया जाएगा। महोत्सव के दौरान भगवान ज्योतेश्वर महादेव को हल्दी और चंदन लगाकर दूल्हा स्वरूप में सजाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शिवजी को दूल्हा स्वरुप में सजाना महाशिवरात्रि पर उज्जैन की प्राचीन धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कॉलोनी के वरिष्ठ एलएन मालवीय ने बताया वायु पुराण के अनुसार, प्रलयकाल में समस्त संसार इसी शिवलिंग में मिल जाता है और फिर इसी से सृजन होता है। कई लोगों का मानना है शिवलिंग पर हल्दी नहीं चढ़ाई जाती है, जबकि शिव पुराण के अनुसार, ऐसी मान्यता है कि शिवलिंग पर हल्दी एक मात्र नहीं चढ़ाई जाती है। इसमें हल्दी और गंगाजल का मिश्रण होता है। जो उबटन के समान माना जाता है। इसलिए जब इस उबटन को भगवान शिव के आदि और अनंत स्वरूप शिवलिंग पर चढ़ाते हैं तो इससे व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी होती है। मंदिर समिति के प्रचार-प्रमुख दिलीप सोनी ने बताया कि मंदिर में विराजित महादेवजी का दूल्हा स्वरुप में श्रृंगार करने के साथ ही यहां शिव बारात भी निकाली जाएगी। इस दौरान भगवान शिव और माता स्वरुप में जीवंत झांकी भी सजाई जाएगी। सांकेतिक शिव. बारात निकालकर प्रतिकात्मक शिव-विवाह प्रस्तुति के श्रद्धालू साक्षी बनेंगे।

870 मरीजों की स्वास्थ जांच की, 5 मरीजों को रेफर किया

मा उमिया धाम करोंदिया में जिला स्तरीय निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप संपन्न

नवभारत न्यूज

मंडलेश्वर, निप्र। निमाड़ महासंघ, श्री अरविंदो अस्पताल इंदौर एवं जिला प्रशासन खरगोन के संयुक्त तत्वावधान में मां उमिया धाम, करोंदिया (मंडलेश्वर) में आयोजित जिला स्तरीय नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप (स्वास्थ्य शिविर) सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं एवं जरूरतमंद मरीजों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में पधारे विशेषज्ञ चिकित्सकों का स्वागत ललित पाटीदार, धर्मेंद्र पाटीदार (स्वामीनारायण) द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मेंद्र पाटीदार ने किया।इस अवसर पर निमाड़ महासंघ के सचिव कृष्णकांत रोकड़े ने बताया कि यह मेगा मेडिकल कैंप निमाड़ महासंघ के अध्यक्ष संजय रोकड़े के 'स्वस्थ निमाड़, समृद्ध निमाड़' के उद्देश्य को साकार करने की दिशा में आयोजित किया गया, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उनके निकट ही उपलब्ध कराई जा सकें। कृष्णकांत रोकड़े ने बताया कि शिविर के दौरान कुल 870 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें से 112 मरीजों को उच्च उपचार हेतु रेफर किया गया, जबकि 26 मरीजों का मौके पर ही उपचार किया गया।

विशेषज्ञ डॉक्टर्स अनुसार मरीजों को मिला लाभ:- मेडिसिन विभाग में 210 मरीजों की जांच कर 19 मरीजों को रेफर किया गया। ऑन्कोलॉजी (कैंसर) विभाग में 12 मरीजों की जांच कर 5 मरीजों को रेफर किया गया। यूरोलॉजी में 40, कार्डियोलॉजी में 90, ईएनटी में 52, ऑर्थोपेडिक में 160 तथा पीडियाट्रिक्स में 25 मरीजों की जांच की गई। नेत्र रोग विभाग में 172 मरीजों की जांच हुई। निवारण वैन ओपीडी में 36, गायने वैन ओपीडी में 32 तथा डेंटल वैन ओपीडी में 41 मरीजों को सेवाएं प्रदान की गईं। स्त्री रोग विभाग में 10 तथा डेंटल विभाग में

16 मरीजों का मौके पर ही उपचार किया गया।

कुल 718 नि:शुल्क जांचें:- शिविर में कुल 718 जांचें की गईं, जिनमें 32 मैमोग्राफी, 15 पैप स्मीयर, 286 सीबीसी/हीमोग्लोबिन, 260 शुगर (आरबीएस), 68 ईसीजी, 39 ईको एवं 4 डेंटल आरवीजी जांच शामिल रहीं। महिलाओं के लिए विशेष रूप से स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर एवं मुख कैंसर की नि:शुल्क जांच व परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। मध्य भारत की पहली अत्याधुनिक 'उम्मीदों वाली बस' के माध्यम से महिला विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कैंसर संबंधी परामर्श एवं जांच की गई, जिससे ग्रामीण महिलाओं को विशेष लाभ मिला। कृष्णकांत रोकड़े ने बताया कि यदि यही जांच, परामर्श एवं उपचार निजी अस्पतालों में कराए जाते, तो मरीजों को करीब 15 लाख रुपये से अधिक का व्यय करना पड़ता। शिविर के माध्यम से यह समस्त सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराकर आमजन को बड़ा आर्थिक लाभ प्रदान किया गया।

जिला प्रशासन की भूमिका सराहनीय:- शिविर के सफल आयोजन में जिला प्रशासन खरगोन की भी सराहनीय भूमिका रही। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के मार्गदर्शन एवं जनपद पंचायत सीईओ छापरे जी के सहयोग से प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुव्यव स्थित रूप से संपन्न हुई, जिससे शिविर का संचालन सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से हो सका। शिविर की सफलता में निमाड़ महासंघ विकास समिति, उमिया माता सेवा ट्रस्ट, रेवा परिवार,सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं एवं स्वयं सेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्थानीय नागरिकों ने इस जनहितकारी पहल के लिए सभी सहयोगी संस्थाओं के योगदान की सराहा । समापन पर आभार उद्योगपति राजेश सोलंकी ने व्यक्त किया।

मानवता की मिसाल बना मेडिकल कैंप

मेडिकल कैंप के दौरान एक अत्यंत जरूरतमंद परिवार का मामला सामने आया। जया दिनेश सिंह चौहान, जो कि 11वीं कक्षा की छात्रा हैं, लंबे समय से पेट के गंभीर संक्रमण से पीड़ित हैं। पीड़ा इतनी अधिक है कि उन्हें बार-बार अत्यधिक एवं जानलेवा दर्द उठता है। जया की माता सफाई कर्मी के रूप में कार्य करती हैं, जबकि पिता पैर से दिव्यांग हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बालिका का समुचित उपचार संभव नहीं हो पा रहा था। स्थिति सामने आते ही निमाड़ महासंघ के सचिव कृष्णकांत रोकड़े ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए स्वयं अपनी जेब से जया को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही उन्होंने धर्मेंद्र भाई को भेजकर आवश्यक जांच करवाई तथा आगे के संपूर्ण उपचार की जिम्मेदारी भी स्वयं लेने की घोषणा की। इस पहल से न केवल पीड़ित परिवार को राहत मिली, बल्कि उपस्थित जनसमूह ने इसे सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण बताया।

मंडन मिश्र शासकीय महाविद्यालय मंडलेश्वर में दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

मंडलेश्वर, निप्र। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में भारतीय ज्ञान परम्परा की भूमिका विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन आचार्य मंडन मिश्र शासकीय महाविद्यालय मंडलेश्वर में प्रारंभ हुआ। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि महाविद्यालय जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष रामदास शर्मा थे अध्यक्षता प्राचार्य डॉ एम एस चौहान ने की मुख्य वक्ताओं में मिलिट्री साइंस विभाग पुणे के निदेशक एवं शिवाजी कॉलेज परभणी पुणे के प्रोफेसर डॉ चंद्रकांत बंशीधर भांगे एवं एम जे पी वी आर्ट कॉमर्स एवं साइंस कॉलेज नंदूरबार के प्राचार्य डॉ विजय कुमार गोनेकर, श्रीकंवरतारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ पल्लवी आचार्य शामिल रहे। प्राचार्य डॉ एम एस चौहान ने स्वागत भाषण दिया।संगोष्ठी के संयोजक डॉ ओ एस परिहार ने संगोष्ठी के बारे में जानकारी दी। सह संयोजक डॉ प्रवीर पाण्डेय ने अतिथियों का परिचय दिया। इस अवसर पर अपने प्रेरक उद्बोधन में मुख्य वक्ता डॉ चंद्रकांत भांगे ने कहा कि आज दुनिया के हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही है।इस मामले में इजराइल बहुत आगे है वहां महिलाओं के लिए भी सैन्य सेवा अनिवार्य है। जहां हर क्षेत्र में महिलाओं को भागीदारी सबसे अधिक है। आज हमारे सामने देश को आजाद करने की चुनौती नहीं है अब वर्चस्व की लड़ाई है हर किसी को स्वयं को साबित करने के लिए लड़ना पड़ रहा है। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए डॉ विजय कुमार गोनेकर ने कहा कि इस तरह की संगोष्ठियों के लिए कॉलेज उपयुक्त होते है क्योंकि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी परिपक्व होते है इसलिए ऐसे सेमिनार होते रहना चाहिए। आपने कहा कि हम एक ओर कहा जाता है कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां देवता वास करते है ।दूसरी ओर कहा जाता है कि ढोल गंवार शूद्र पशु नारी ... ये दोनों वक्तव्य अपने आप में विरोधा भाषी लगते है। नारी को ताड़ने की क्या जरूरत है उसे जब हम पूजते है मतलब नारी पूजनीय होने के बाद भी वह कमजोर है उसे देखभाल की जरूरत है यह विरोधाभास क्यों...? संगोष्ठी का संचालन डॉ आरती लोमारे ने किया, आभार डॉ प्रवीर पाण्डेय ने किया। कॉलेज के प्राध्यापकों एवं शोध छात्रों ने अपने शोध पत्र पढ़े। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रेजेंट किए।उनमें शासकीय पी जी कॉलेज खरगोन के प्रो सी एस चौहान, शासकीय महाविद्यालय खरगोन की डॉ ममता गोयल उमिया शिक्षा महाविद्यालय के प्रो गजेन्द्र अहिरवार प्रो सोनालिका चौहान प्रो मीनू कुशवाह प्रो माया पाटीदार प्रो राधा पाटीदार प्रो शिवानी शर्मा धामनोद की रंजीता वास्केल शामिल रहे। इस अवसर पर प्रो राजगुरु पाटीदार डॉ एस एस ठाकुर डॉ संतोष बर्डे डॉ जी एस परमार शासकीय महाविद्यालय राऊ के डॉ आर के कानूडे डॉ मौलश्री कानूडे बी एड कॉलेज बोरांवा की प्रो मंजुलता गुप्ता शोधार्थी वंदना सीटोले,डॉ शिवेन्द्र शर्मा डॉ श्याम सिन्हा प्रो विनोद पाटीदार सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे।

औद्योगिक क्षेत्र में बगीचे की जमीनें हो रही है उजाड़

बड़वाह, निप्र। पर्यावरण को बचाने के लिए समय-समय पर वृहद स्तर पर पौधारोपण करने के अभियान चलाये जाते है लेकिन काटकूट औद्योगिक क्षेत्र मे सेक्टर-3 और 5 मे बगीचे की जमीनें उजाड़ पड़ी हुई है। साथ औद्योगिक क्षेत्र जमीनें बड़े पैमाने पर अतिक्रमण का शिकार पड़ी हुई है। वर्तमान मे आवंटित जमीनों का एरिया का पता लगाना मुश्किल हो रहा है। जबकि क्षेत्र मे प्रदूषण वही से होता है। स्थिति यह है कि औद्योगिक क्षेत्र मे आरक्षित जमीनों मे से कुछ ग्रीन बेल्ट की जमीन अब मौके पर है या नही। शेष जमीनों को लेकर ध्यान नही दिया जा रहा है।जो मौके पर अतिक्रमण का शिकार हो गई है। इतना ही नही औद्योगिक क्षेत्र मे बगीचों के लिए आरक्षित जमीन उजाड़ पड़ी हुई है। यहां पौधारोपण की जरूरत है मगर कोई इस ओर ध्यान देने वाला नही है। जिम्मेदार

एक दूसरे का हवाला देकर पल्ला झाड़ रहे देते है। शहर मे इन्दौर रोड़ पर सेक्टर-3 और 5 नंबर औद्योगिक क्षेत्र विकसित है, जो जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र के अंतर्गत आते है। जिला उद्योग दोनो मे ग्रीन बेल्ट की जमीन आरक्षित है लेकिन यहां पौधारोपण को लेकर किसी ने अब तक कोई रूचि नही दिखाई है। नतीजा यह हो रहा है कि वो भी धीरे-धीरे अतिक्रमण को शिकार हो रही है। बची हुई ग्रीन बेल्ट की आरक्षित जमीनों को संबंधित विभाग व जिला प्रशासन के द्वारा तत्काल चिन्हित कर फ्रेसिंग कर वहां पर साइन बोर्ड लगाकर पौधारोपण की शुरूआत करनी चाहिए। जिससे की इन ग्रीन बेल्ट की जमीनों को बचाया जा सके और पर्यावरण प्रदूषण को कम किया जा सके।

बगीचा विकसित नहीं किया:- जिला उद्योग के अंतर्गत इन्दौर रोड से लगे औद्योगिक क्षेत्र में बगीचे के लिये जमीन आरक्षित की गई है लेकिन यहां अभी तक बगीचा विकसित नहीं किया गया है। इतना ही नहीं यहां पौधारोपण तक जिम्मेदारों ने नहीं किया। ऐसे में स्पष्ट है कि ग्रीन बेल्ट की जमीनों को लेकर जिम्मेदारों की उदासीनता साफ नजर आ रही है।

केंद्र और राज्य सरकार जागरूक करने के लिए कर रही जतन:- वहीं दूसरी ओर पर्यावरण के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार काफी जतन कर रही है। विज्ञापन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है मगर मध्यप्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में प्रमुख बड़वाह में जागरूकता की कमी दिखाई दे रही है। इनका कहना- कमिश्नर को पत्र लिखकर पूरे औद्योगिक क्षेत्र का जल्द सीमांकन किया जाएगा, उसके बाद पौधारोपण करने के प्रयास किए जाएंगे।

दिव्यांग बच्चों को कृत्रिम सामग्री का किया वितरण

गोगावा, निप्र। मुख्यालय के बीआरसी कार्यालय पर विशेष आवश्यकता वाले बच्चो ष्टड्डस्ह का उपकरण वितरण शिविर का आयोजन मंगलवार को जनपद शिक्षा केंद्र गोगावा में आयोजित किया गया बीआरसी विवेक शर्मा ने बताया कि ब्लॉक के 33 चयनित बच्चो को कैलिपर्स, व्हील चेयर्स, ट्राइसिकल, कृत्रिम हाथ , हायरिंग मशीन आदि का वितरण किया गया । कृत्रिम अंग कंपनी एलिमको से प्रतिनिधि एवं जिला शिक्षा केंद्र खरगोन से. क्ष्ट प्रदीप सोलंकी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी राहुल पाध्ये रहे कार्यक्रम में बीएसी विवेक पांडे, गणेश यादव, काशीराम डुडवे, नरेंद्र वर्मा, अंतिम कलमे, एमआरसी गोपाल राठौर, शिवम कुशवाह तथा स्कूलों से शिक्षक पालक उपस्थित थे संचालन शिक्षक प्रदीप बडोले ने किया।

नगर गौरव युगल मुनिराज के दीक्षा दिवस पर हुआ विशेष पंचामृत अभिषेक

सनावद। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज सहित अठारह त्यागियों की नगरी सनावद में युगल मुनिराज का दीक्षा दिवस मनाया गया। सन्मति जैन काका ने बताया की नगर गौरव वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज से दीक्षित युगल मुनिराज मुनि श्री अपूर्व सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अर्पित सागर जी महाराज का 29 वा मुनि दीक्षा दिवस बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में प्रात:काल की मंगल बेला में श्री जी का भव्य पंचामृत अभिषेक एवं सामूहिक पूजन किया गया एवं सभी समाजजनों के द्वारा आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अपूर्व सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अर्पित सागर जी महाराज को अर्घ्य समर्पित किए गए। जैसा की ज्ञात हे की आज से 29 वर्ष पूर्व बिजौलिया राजस्थान में आज के दिन युगल मुनिराज मुनि श्री अपूर्व सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अर्पित सागर जी महाराज को आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के द्वारा की दीक्षा प्रदान की गई थी। इस अवसर पर धीरेंद्र जैन, सुनील पावणा,रजत जैन, रद्देश जैन, सुरेश मुंशी रविंद जैन,,हेमा मुशी, पुष्पा जैन, सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे।

एक नजर में

अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा तथा कृषि से संबंधित 6 संकेतकों में पूर्ण संतृप्ति प्राप्त करना है

कलेक्टर ने आकांक्षी विकासखंड झिरन्या एवं भगवानपुरा की समीक्षा बैठक आयोजित की

नवभारत न्यूज़

खरगोन, निप्र। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह में गत दिवस ख्आकांक्षी विकासखंड झिरन्या और भगवानपुरा में संचालित संपूर्णता अभियान 2.0 (28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत खरगोन रेखा राठौर सहित संबंधित समस्त जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। तकनीकी सहायक नीरज अमझरे द्वारा पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल

द्वारा संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत चिन्हित 6 प्रमुख मुख्य केपीआई (की परमॉरमेंस इंडिकेटर्स) संकेतकों की शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने हेतु विभागवार निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा तथा कृषि से संबंधित 6 संकेतकों में पूर्ण संतृप्ति प्राप्त करना है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अभियान अवधि में 6 माह से 6 वर्ष तक के समस्त पंजीकृत बच्चों को शत-प्रतिशत नियमित रूप से टेक होम राशन का वितरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही टेक होम राशन की समय पर आपूर्ति, परिवहन एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित उपलब्धता, विशेष रूप से दोनों आकांक्षी विकासखंडों में सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में दर्ज सभी बच्चों का वजन एवं ऊँचाई मापन कर पोषण ट्रैकर में अनिवार्य रूप से प्रविष्टि की जाए, जिससे पोषण से जुड़े संकेतकों की संतृप्ति सुनिश्चित हो सके। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों के किराए के भवनों में शौचालय उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर विस्थापित किया जाए। साथ ही भगवानपुरा विकासखंड की समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल सुविधा उपलब्ध कर संबंधित केपीआई में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए।